कक्षा – 12

अध्याय – 2

साझेदारी लेखांकन

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

भाग – 4

मनीष कुमार सोनी

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ख्याति का निर्धारण एवं लेखांकन-I

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ख्याति मूल्यांकन की विधियाँ

ख्याति मूल्यांकन की निम्नलिखित प्रमुख विधियाँ हैं:

1. औसत लाभ विधि;
2. अधिलाभ विधि;
3. पूँजीकरण विधि।

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. औसत लाभ विधि

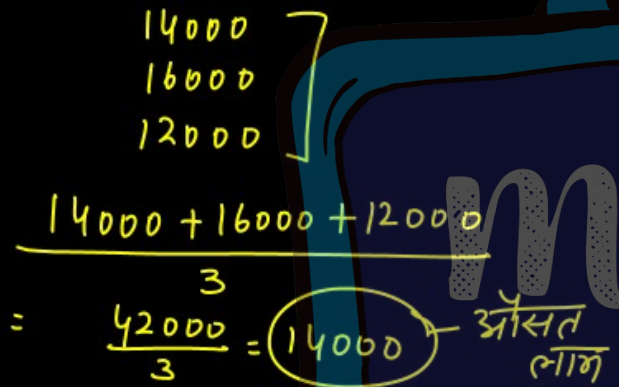

☛ औसत लाभों से आशय कुछ वर्षों के लाभों को जोड़कर वर्षों की संख्या का भाग देकर ज्ञात करने से है। इस विधि में औसत लाभ को निश्चित वर्ष की स्वीकृत संख्या (क्रय के वर्ष) से गुणा करके ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जाता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सामान्य लाभ

विनियोजित पूंजी × सा. प्रत्याय दर / 100

2. अधि-लाभ विधि (Super profit)

अधि-लाभ = औसत लाभ – सामान्य लाभ

Avg profit – Normal profit

नोट

☛ अधि-लाभों को निश्चित वर्षों संख्या से गुणा करने पर ख्याति का मूल्य आ जाता हैं

ख्याति = अधिलाभ × वर्षों की संख्या

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. पूँजीकरण विधि

1. औसत लाभों का पूँजीकरण
2. अधिलाभों का पूँजीकरण

] → ख्याति की राशि समान होगी। =

1. औसत लाभों का पूँजीकरण =

पूंजीकृत मूल्य = $\frac{100}{\text{दर}} \times$ औसत लाभ — वि॰ पूं

$\frac{100}{R} \times$ Avg profit

ख्याति = पूंजीकृत मूल्य − विनियोजित पूंजी

2. अधिभागों का पूँजीकरण =

ख्याति = $\frac{100}{\text{दर}} \times$ अधिलाभ

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. ख्याति के मूल्य की गणना पाँच वर्षों के औसत लाभ के 4 वर्षों के क्रय के आधार पर करें। पिछले पाँच वर्षों का लाभ इस प्रकार है:

	राशि (₹)
2012	40,000
2013	50,000
2014	60,000
2015	50,000
2016	60,000

औसत लाभ = $\frac{40000 + 50000 + 60000 + 50000 + 60000}{5}$

औ॰ लाभ = $\frac{260000}{5} = 52000$

ख्याति = औसत लाभ × वर्षों की सं.

= 52000 × 4

= 208000

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. व्यवसाय में विनियोजित पूँजी 2,00,000 रुपये है। फर्म की पूँजी पर प्रत्याय की दर 15% है। वर्ष 2016-17 के दौरान फर्म में 48,000 रु. का लाभ अर्जित किया। ख्याति की गणना अधिलाभ के 3 वर्षों के क्रम के आधार पर करें।

हल-

सा॰ लाभ = विनियोजित पूंजी × $\frac{\text{दर}}{100}$

= 200000 × $\frac{15}{100}$

— सा॰ लाभ = 30000

— औसत लाभ = 48000

अधिलाभ = औसत लाभ - सामान्य लाभ

= 48000 − 30000

= 18000

ख्याति = अधिलाभ × वर्षों की सं.

= 18000 × 3

= 54000 उत्तर

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. राजन और रजनी फर्म में साझेदार है। उनकी पूँजी राजन 3,00,000 रुपये और रजनी 2,00,000 रुपये है। वर्ष 2015-16 के दौरान फर्म ने 1,50,000 का लाभ अर्जित किया। पूँजीगत विधि से ख्याति की गणना यह मानते हुए करें कि सामान्य प्रत्याय दर 20% है।

औसत लाभों का ईंजीकरण

पूंजीकृत मूल्य = $\frac{100}{\text{दर}} \times$ औसत लाभ

$= \frac{100}{20} \times 150000$

$= 750000$

ख्याति = औसत लाभों का ईंजीकृत मूल्य − विनियोजित ईंजी

$= 750000 - 500000$

$=$ ₹250000

अधिलाभों का ईंजीकरण

अधिलाभ = औसत लाभ − सामान्य लाभ

$= 150000 - 100000$

$= 50000$

★ सा॰ लाभ = वि नियोजित ईंजी $\times \frac{\text{दर}}{100}$

$= 500000 \times \frac{20}{100}$

$= 100000$

ख्याति $= \frac{100}{\text{दर}} \times$ अधिलाभ

$= \frac{100}{20} \times 50000 =$ ₹2,50,000

Under CSR Support by ipca | Foundation

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन : साझेदार का प्रवेश

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. गत कुछ वर्षों के दौरान व्यापार ने 1,00,000 रुपये औसत लाभ अर्जित किया। ख्याति रूप की गणना पूँजीकरण विधि द्वारा करें यदि व्यवसाय की परिसंपत्तियाँ 10,00,000 रुपये और बाह्य दायित्व 1,80,000 रुपये हैं। सामान्य प्रतिफल दर 10% है।

विनियोजित पूंजी = 10,00,000 - 180000
= 8,20,000

औसत लाभों का पूंजीकरण

$\frac{100}{\text{दर}} \times \text{औसत लाभ}$ — वि॰पू॰

= $\left[\frac{100}{10} \times 100000\right]$ — 820000

= 10,00,000 — 820,000

ख्याति = 1,80,000

$\frac{100}{10} \times \text{अधिलाभ}$

$\frac{100}{10} \times 18000$

= 180000